National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

समाचार

www.naco.gov.in

खंड X अंक 8 | अप्रैल–जून 2016

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
स्वच्छ भारत अभियान

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

विषय–सूची

01 मुख्य लेख

- संयुक्त राष्ट्र महासभा के 70वें सत्र के दौरान "उच्च स्तरीय बैठक" में "2030 तक एड्स महामारी को समाप्त" करने हेतु भारत ने प्रतिबद्धता दुहरायी 5–6

02 कार्यक्रम

- रोग नियंत्रण एवं रोकथाम पर कोरियाई केन्द्र (के.सी.डी.सी.) और एच.आई.वी./एड्स के रोकथाम का कोरियाई संघ का आगमन (10 से 12 मई, 2016) 7
- राजकोट में सी.एल.एच.आई.वी. के लिए स्वस्थ व्यवहार एवं जीवन कौशल आधारित विकास हेतु एक दिवसीय कार्यक्रम 8–9
- प्रथम पंक्ति क्षयरोग विरोधी उपचार के लिए दैनिक नियम पर एन.ए.सी.पी. एवं आर.एन.टी.सी.पी के स्टाफ द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का संचालन/आयोजन 10

03 राज्यों से

- लोक संचार माध्यम के द्वारा दूरस्थ आबादी तक पहुँच 11–12
- ओ.एस.टी. उपभोगता का केस अध्ययन 13
- हिमाचल प्रदेश के विधायकों का एच.आई.वी./एड्स पर विधायी फोरम से संबंधित जागरुकता बैठक 14
- मुख्यधारा करण के तहत नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा स्कूल नहीं जाने वाले युवकों से संबंधित गतिविधियाँ 15
- राज्यों द्वारा ई.एल.एम. गतिविधियाँ 16

04 सफलता की कहानी

- बच्चों का, बच्चों के लिए और बच्चों द्वाराः काबा के मुद्दों पर संस्थान में बाल संसद 17

05 गतिविधियाँ

- एन.बी.टी.सी. एवं नाको द्वारा संयुक्त रूप से विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया 18–20
- नशीले पदार्थो के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस 21–23

माननीय राज्य मंत्री का स्वागत

केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, माननीय श्री फग्गन सिंह कुलस्ते

केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, माननीय श्री मति अनुप्रिया पटेल

अपर सचिव की कलम से

प्रिय पाठक,

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम चरण–IV (एन.ए.सी.पी.–IV) द्वारा वर्तमान में मध्यावधि मूल्यांकन (एम.टी.ए.) चल रहा है। एम.टी.ए. का उद्देश्य–एन.ए.सी.पी.–IV द्वारा हुई प्रगति की समीक्षा करना, उपलब्धियों का दस्तावेजीकरण, भारत में एड्स प्रतिक्रिया को बनाए रखने के अवसरों एवं चुनौतियों की पहचान करना तथा सतत् विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) के प्रति भारत की प्रतिबद्धता एवं 2030 के लिए तय अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों के संबंध में एन.ए.सी.पी.–IV की योजना बनाने हेतु संस्तुतियों का प्रस्ताव रखना है। एन.ए.सी.पी.–प्टका एम.टी.ए. कई तकनीकी विचार–विमर्शों, डेस्क रिव्यू एवं क्षेत्र भ्रमणों द्वारा किया गया था। इस अभ्यास में नाको के विकास भागीदारों, समुदाय एवं सिविल सोसायटी संगठनों के प्रतिनिधियों, तकनीकी विशेषज्ञों एवं नाको तथा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के अधिकारियों सहित अन्य हितधारकों ने सहयोग दिया ।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा अप्रैल से जून, 2016 तिमाही के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियों को आपके साथ बाँटते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, माननीय श्री जगत प्रकाश नड्डा, के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 8 से 10 जून, 2016 के बीच न्यूयार्क, यू.एस.ए. में संयुक्त राष्ट्र महासभा में एड्स को समाप्त करने हेतु उच्च स्तरीय बैठक में भाग लिया। इस उच्च स्तरीय बैठक का उद्देश्य एड्स महामारी के व्यापक प्रयासों की प्रगति की समीक्षा करना, मौजूदा प्रतिबद्धताओं की पुनः पुष्टि करना एवं सतत् विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) के अर्न्तगत **"सार्वजनिक स्वास्थ्य पर खतरे के रूप में एड्स को 2030 तक समाप्त"** करने की दिशा में कार्यरत रहने की एक नई घोषणा को अपनाना था।

14 जून, 2016 को नई दिल्ली में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर तमिलनाडु राज्य सरकार एवं भारत सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के तहत केन्द्र सरकार तमिलनाडु राज्य को मेट्रो ब्लड बैंक के उत्कृष्ट केन्द्र की स्थापना में और उसके क्रियान्वयन में सहायता प्रदान करेगी। इसके लिए निःशुल्क भूमि का आवन्टन तमिलनाडु राज्य सरकार ने किया है।

नाको द्वारा अप्रैल माह में वित्तीय वर्ष 2016–17 के लिए सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाईटियो की वार्षिक कार्य योजना (ए.ए.पी.) तैयार करने हेतु व्यापक अभ्यास किया गया था। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि नाको ने इस योजना को मंजूरी दे दी है एवं राज्य एड्स नियंत्रण सोसाईटियो को प्रथम दो किस्त भी जारी कर दिया गया है। इस समय हमें अपनी योजनाओं को पूरे उत्साह से लागू करने एवं निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए गतिविधियों के अनुश्रवण करने की आवश्यकता है।

अंततः, मैं आशा करता हूँ कि एम.टी.ए. की संस्तुतियाँ वांछित लक्ष्य को प्राप्त करने में मार्गदर्शन देंगी, कार्यक्रम को और सुदृढ़ करेंगी, और कार्यप्रणाली में आवश्यक सुधार लायेंगी। मैं इस बात को लेकर सकारात्मक हूँ कि आने वाले समय में एच.आई.वी./एड्स के प्रति और योजना बनाने में इन संस्तुतियाँ का महत्वपूर्ण योगदान होगा।

श्री एन.एस. कांग
सचिव एवं डी.जी., नाको
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

संयुक्त सचिव की कलम से

प्रिय पाठक,

मुझे संपादकीय कॉलम लिखते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है। इस अवसर पर मैं पहली बार अपने विचार और अप्रैल से जून 2016 की अवधि में हुए उन गतिविधियों को आपके साथ बाँटूगा जिन्हें नाको ने सफलतापूर्वक पूरा किया।

मैं आपको प्रसन्नता के साथ सूचित करता हूँ कि 5 अप्रैल 2016 को आयोजित "संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् (ईकोसौक) की **"समन्वय एवं प्रबंधन बैठक"** के दौरान भारत को एक बार पुनः 2017–19 अवधि के लिए यू.एन.एड्स (यू.एन.आई.डी.एस) की पी.सी.बी. हेतु निर्वाचित किया गया है। वैश्विक एड्स समन्वयक के कार्यालय (ओ.जी.ए.सी.) से 2016–17 कंट्री ऑपरेशनल प्लान (सी.ओ.पी.) पर अंतिम मंजूरी प्राप्त करने के लिए 30 अप्रैल से 2 मई 2016 के दौरान, बैंकॉक में पैप्फार (पी.ई.पी.एफ.ए.आर.) 2016–17 कंट्री ऑपरेशनल प्लान (सी.ओ.पी.) समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। नाको द्वारा स्थापित की गई प्राथमिकताओं पर ओ.जी.ए.सी. की स्पष्टता सुनिश्चित करने तथा भारत की एच.आई.वी. महामारी के प्रति प्रतिक्रिया में PEPFAR भारत का समर्थन सुदृढ़ करने के लिए नाको ने बैठक में भाग लिया। इस बैठक में PEPFAR भारत के साथ कंट्री ऑपरेशनल प्लान (सी.ओ.पी.) पर हस्ताक्षर किए गए।

केन्द्रीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, माननीय श्री जगत प्रकाश नड्डा, के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधि मंडल ने 8 से 10 जून, 2016 के बीच न्यूयार्क, यू.एस.ए. में संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में एच.आई.वी./एड्स पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में भाग लिया। माननीय मंत्री ने 2020 तक 90–90–90 के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में तथा 2030 तक एड्स को समाप्त करने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु रोकथाम, उपचार, व अपने सभी नागरिकों को देखभाल एवं सहायता प्रदान करने की जरूरतों को व्यापक सेवाएँ प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

14 जून 2016 को नई दिल्ली में विश्व रक्तदाता दिवस मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस साल के कार्यक्रम का विषय **"ब्लड क्नेक्ट्स अस ऑल"** और प्रचार वाक्य **''जीवन दान करो रक्त दान करो (शेयर लाईफ गिव ब्लड)''** था । इस अवसर पर इंडिया गेट पर स्वैच्छिक रक्तदान पर जागरूकता पैदा करने के लिए पदयात्रा का आयोजन किया गया था जिसमें करीब 400 रक्तदाताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 15 ब्लड बैंकों, 3 स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजकों तथा 2 राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों को शत प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान की दिशा में काम के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार भी दिया गया।

भारत ने भी 28 से 30 जून 2016 के दौरान जेनेवा में आयोजित "कार्यक्रम समन्वय बोर्ड (पी.सी.बी.) की 38वीं बैठक" में सक्रिय रूप से भाग लिया था। इसके अतिरिक्त, **सुश्री अमला अक्किनेनि**, भारतीय फिल्म जगत की प्रख्यात अभिनेत्री, भरतनाट्यम नृत्यांगना एवं पशु कल्याण कार्यकर्ता, जो ''**टीच एड्स**'' नामक गैर सरकारी संस्था से भी जुड़ी हुई हैं, ने नाको का दौरा किया। **सुश्री अक्किनेनि** ने एच.आई.वी. की रोकथाम पर **''टीच एड्स''**की एनिमेटेड सीडी को प्रस्तुत किया।

भारत और कोरियाई गणराज्य के बीच जानकारी के आदान–प्रदान के कार्यक्रम के अंतर्गत दक्षिण कोरिया से पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मई 2016 में हमारे राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम से सीख लेने के लिए नाको एवं इसके कार्यान्वयन स्थलों का दौरा किया। इस दौरान वर्तमान स्थिति को समझने, कार्यक्रम के अवसरों एवं चुनौतियों की पहचान करने के लिए तथा कार्यप्रणाली में सुधार लाने हेतु की गई संस्तुतियों पर एन.ए.सी.पी.–IV कामध्यावधि मूल्यांकन (एम.टी.ए.) की शुरूआत भी की गई थी।

मैं प्रकाशन के इस अंक के माध्यम से आपको बताना चाहूँगा कि नाको ने राज्यों, भागीदारों, कार्यक्रम एवं प्रभागों को सक्रिय रूप से योगदान देने तथा वैश्विक, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर गतिविधियों और कार्यक्रमों के लिए मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस प्रकाशन को शुरू किया था। मैं आशा करता हूँ कि आप समाचार पत्र के इस अंक को ज्ञानवर्धक पायेंगे।

आपके बहुमूल्य सुझावों और प्रतिक्रियाओं की हम प्रतिक्षा करेंगे ।

DRao

डॉ० सी.वी. धर्म राव
संयुक्त सचिव, नाको
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 70वें सत्र के दौरान "उच्च स्तरीय बैठक" में "2030 तक एड्स महामारी को समाप्त" करने हेतु भारत ने प्रतिबद्धता दुहरायी

न्यूयार्क, यू.एस.ए. में, 8 से 10 जून, 2016 के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा के महासचिव द्वारा 'एड्स को समाप्त करने पर एक उच्च स्तरीय बैठक' का आयोजन किया गया था। बैठक का उद्देश्य एड्स महामारी के रोकथाम के वैश्विक प्रयासों की प्रगति की समीक्षा करना एवं सतत् विकास लक्ष्यों के रूप में **"सार्वजनिक स्वास्थ्य पर खतरे के रूप में एड्स को 2030 तक समाप्त"** करने हेतु मौजूदा प्रतिबद्धताओं की पुनः पुष्टि करने और ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करना के लिये नई घोषणा को अपनाना था।

192 देशों के 3000 से अधिक प्रतिनिधियों ने इस तीन दिवसीय बैठक में भाग लिया। बैठक में 30 राष्ट्र अध्यक्षों, मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारीगण, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि, सिविल सोसायटी एवं एच.आई.वी. ग्रसित व्यक्तियों के प्रतिनिधि मंडल शामिल थे।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार, माननीय श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भारतीय प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया।

डॉ० संजय जायसवाल एवं डॉ० भूषण लाल जंग्दे, सांसद, श्री एन.एस.कंग, अपर सचिव, (स्वा० एवं परि० क० मंत्रालय), श्री अमनदीप गर्ग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के निजी सचिव, डॉ० बी.बी. रेवाड़ी, एन.पी.ओ. (ए.आर.टी.) डब्ल्यू.एच.ओ.

माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, उच्च स्तरीय बैठक को सम्बोधित करते हुए (एच.एल.एम. भाषण)

प्रतिनिधि मंडल के साथ माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा की तस्वीर

इस प्रतिनिधि मंडल में शामिल थे। सिविल सोसायटी एवं एन.जी.ओ के लगभग एक दर्जन प्रतिनिधियों ने भी विचार–विमर्श में सक्रिय योगदान दिया।

8 जून 2016 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के तीन दिवसीय उच्च स्तरीय बैठक का उदघाटन **"एच.आई.वीं / एड्स पर राजनीतिक घोषणाः 2030 तक एड्स महामारी को समाप्त करने तथा एच.आई.वी. के खिलाफ संघर्श में तेजी लाने हेतु फास्ट ट्रैक"** की घोषणा को सर्वस. हमति से अपनाकर किया गया था जिसमें अविलम्ब कार्यवाही एवं सशक्त प्रयासों को सुनिश्चित करना है जिससे एच.आई.वी. एवं एड्स के प्रति वैश्विक कार्यक्रमों में कोई भी पीछे न छूट जाये।

संयुक्त राष्ट्र महासभा को सम्बोधित करते हुए **भारत सरकार के केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, माननीय श्री जगत प्रकाश नड्डा,** ने सदस्य राज्यों से कहा कि एड्स महामारी, जिसमें जनसंख्या का एक बड़ा वर्ग घिरा हुआ था, उसके फैलाव के विरुद्ध हमारी सामूहिक संघर्ष में विश्व ने एक लंबा सफर तय किया है। इस महामारी को पीछे धकेलने में पिछले डेढ़ दशकों की मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति और ठोस लक्षित कार्यवाही ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एंटी रेट्रोवाइरल थेरेपी उपयोग कर रहे एच.आई.वी. प्रभावित व्यक्तियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है तथा एड्स से संबंधित मृत्यु की वार्षिक संख्या में बड़े पैमाने पर गिरावट आयी है।

माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, उच्च स्तरीय बैठक को सम्बोधित करते हुए (एच.एल.एम. भाषण)

उन्होंने कहा कि ये उल्लेखनीय सफलताऐं प्रदर्शित करतीं हैं कि 2030 तक एड्स महामारी को समाप्त करने का लक्ष्य यथार्थवादी हैं एवं भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए निरंतर कार्यवाही एवं राजनीतिक प्रतिबद्धता भी आवश्यक है। उन्होंने एड्स महामारी के खिलाफ व्यापक संघर्ष में भारत के एक सर्वाधिक कुशलतम भागीदार के रूप में अग्रणी भूमिका निभाने पर अपनी संतुष्टि जाहिर की।

माननीय मंत्री ने भारतीय औषधीय उद्योग की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि इन्होंने न केवल भारत में बल्कि दुनिया के अन्य भागों में एच.आई.वी. के इलाज की पहुँच बढाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, विशेष रूप से विकास शील देशों में जो इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

माननीय मंत्री ने अगले पाँच सालों के लिए पाँच सूत्रीय रणनीति प्रस्तावित की। ये हैं:–

- रोकथाम को भी ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित फास्ट ट्रैक लक्ष्यों को अपनाना
- घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय सहायता व सहयोग दोनों के लिए निवेष में वृद्धि
- सस्ती दवाईयों तक पहुँच एवं सामग्री सुरक्षा सुनिश्चित करना
- संयुक्त समाज का निर्माण करना जो प्रत्येक मानव जीवन का मूल्य समझे
- वैश्विक एकजुटता, जिसमें उत्तर–दक्षिण, दक्षिण–दक्षिण सहयोग, बहुपक्षीय एवं द्विपक्षीय सहयोग तथा सरकारों, निजी क्षेत्रों एवं सिविल सोसायटी के बीच सहयोग के सभी प्रकार शामिल हो

उन्होंने महासभा के सदस्यों को आश्वस्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ए.आर.वी. की वैश्विक पूर्ति सुनिश्चित करने हेतु भारत ट्रिप्स समझौते में सुनम्यताओं को बनाए रखने पर प्रतिबद्ध है।

सम्बोधन के अन्त में उन्होंने कहा कि यह उच्च स्तरीय बैठक इतिहास में अपनी एक छाप छोड़ेगी। इसे एक ऐसे समय के रूप में याद किया जाएगा जब आधुनिक काल के सबसे विनाशकारी संकट को समाप्त करने हेतु विश्व ने विज्ञान पर आधारित निडर निर्णय लिए एवं एक संयुक्त समाज के निर्माण के पक्ष में संकीर्ण मत भेदों को दफ़नाकर मार्ग प्रशस्त किया।

माननीय मंत्री ने भारत की सिविल सोसायटी के प्रतिभागियों के साथ भी एक बैठक की। समुदायों द्वारा कौन सी चुनौतियों का सामना किया जा रहा है तथा समय–समय पर कार्यक्रम में कमी को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रतिक्रिया दे कर वे कार्यक्रम में किस प्रकार, विशेषकर 90:90:90 के सम्बन्ध में बेहतर योगदान दे सकते हैं, इन विषयों पर बैठक केन्द्रित थी पर केन्द्रित था।

डॉ० बी.बी. रेवाड़ी, एन.पी.ओ. (ए.आर.टी.)

रोग नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए कोरियाई केन्द्रों (के.सी.डी.सी.) एवं एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम पर कोरियाई संघ से प्रतिनिधि मंडल का आगमन (10 से 12 मई 2016)

10 से 12 मई 2016 के दौरान नाको ने कोरिया गण राज्य से आए रोग नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए कोरियाई केन्द्रों (के.सी.डी.सी.) एवं एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम पर कोरियाई संघ के पाँच पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल के लिए जानकारी के आदान प्रदान पर नॉलेज एक्सचेंज विज़िट (के.इ.वी.) का आयोजन किया।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम से सीख लेना था, जिसमें विशेष रूप से नाको एवं उसके कार्यान्वयन स्थलों का दौरा कर एच.आई.वी./एड्स से संबंधित नीतियों एवं कार्यक्रमों को समझना था। इस नॉलेज एक्सचेंज विज़िट से पूर्व, नाको ने आगन्तुक टीम की आवश्यकताओं को समझने और यात्रा का एजेंडा विकसित करने के लिए नीड्स असेस्मेंट साधन उनको दिया।

दक्षिण कोरियाई प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व **श्री किम ह्वॉन, टीम मैनेजर, के.सी.डी.सी.** द्वारा किया गया था। प्रतिनिधि मंडल ने नाको कार्यालय, दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (डी.एस.ए.सी.एस.) एवं दिल्ली में उसके कार्यान्वयन स्थलों का दौरा किया। यात्रा की मेजबानी विश्व बैंक द्वारा की गई थी जिसकी अनुमति विदेश मंत्रालय एवं आर्थिक कार्य विभाग द्वारा दी गई थी।

यात्रा के पहले दिन अर्थात् 10 मई, 2016 को नाको कार्यालय में नाको के संयुक्त सचिव डॉ० सी. वी. धर्म राव, की अध्यक्षता में प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक का आयोजन किया गया था।

बैठक में **डॉ० नीरज ढींगरा, डी.डी.जी.(टी.आई.) द्वारा भारत की एच.आई.वी./एड्स** के रोकथाम के लिए की जा रही गतिविधियों पर एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया। बैठक के दौरान, नाको के अधिकारियों ने कार्यक्रम के विभिन्न घटकों एवं गतिविधियों पर भारत के अनुभवों को बताया। प्रतिनिधि मंडल ने **डा० राजेश कुमार राणा,** नाको में आई.ई.सी. प्रभाग के एकाउंट निदेशक (मीडिया) के साथ भी विस्तार पूर्वक चर्चा की। 10 मई 2016 को प्रतिनिधि मंडल का **डॉ० मृणालिणी दर्सवाल, परियोजना निदेशक, दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (डी.एस.ए.सी.एस.)** की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में भी बैठक का आयोजन किया गया था। प्रतिनिधि मंडल ने मौलाना आज़ाद आयुर्विज्ञान महाविद्यालय में उत्कृष्ट केन्द्र (सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस) (ए.आर.टी.), लोक नायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल, दिल्ली के एस.टी.आई. क्लिनिक, एन.डी.एम.सी. पॉलीक्लिनिक, नई दिल्ली में एकीकृत परीक्षण एवं परामर्श केन्द्र (आई.सी.टी.सी.) का एवं समलैंगिक पुरुषों (एम.एस.एम.) और किन्नरों (टी.जी.) के साथ लक्षित हस्तक्षेप का कार्यान्वित करने वाले दो टी.आई. एन.जी.ओ. का दौरा किया। तीन दिवसीय नॉलेज एक्सचेंज विज़िट (के.ई.वी.) के दौरान टीम ने नाको के अधिकारियों, दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, स्वास्थ्य केन्द्रों, समुदाय के सदस्यों एवं अन्य हित धारकों के साथ व्यापक वार्ता में भाग लिया। यात्रा के दौरान प्रत्येक दिन के अंत में प्रतिनिधि मंडल ने नाको द्वारा विकसित किए गए एक प्रारूप में अपनी प्रतिक्रिया साझा की।

नाको के दौरे के दौरान कोरियाई प्रतिनिधि मंडल एवं नाको के अधिकारीगण

श्री. जिम्रीवेस के., डोनर समन्वयक एंड टीम लीड के लिये स2सकेइटी
श्री. उतपाल दास विशेषज्ञ ज्ञान स्थानांतरण

राजकोट में सी.एल.एच.आई.वी. के लिए स्वस्थ व्यवहार एवं जीवन कौशल आधारित विकास हेतु एक दिवसीय कार्यक्रम

स्वस्थ व्यवहार एवं तनाव का सामना करने परएक दिवसीय कार्यशाला में भाग लेते हुए प्रतिभागी

एच.आई.वी. से संक्रमित होने के साथ साथ यौवन और किशोरावस्था के विभिन्न भावनात्मक और शारीरिक परिवर्तन का सामना करने वाले एच.आई.वी. के साथ जी रहे किशोरावस्था के बच्चों (सी.एल.एच.आई.वी.) को किसी भी अन्य किशोरों की तुलना में अपने हिस्से से अधिक प्यार, समर्थन, प्रोत्साहन, स्वीकृति एवं देखभाल की आवश्यकता होती है। एच.आई.वी./एड्स से संबंधित पीड़ा के साथ कलंक और भेदभाव का सामना करने के लिए प्रतिरोध क्षमता और साहस की आवश्यकता होती है। इसके अलावा इस उम्र की चुनौतियाँ तथा यौन और लैंगिकता से जुड़ी जिज्ञासा से भी उनका सामना होता है। बच्चों में महत्वपूर्ण निर्णय लेने एवं स्वस्थ व्यवहार विकसित करने हेतु सहानुभूति और दोस्ती का संतुलित मिश्रण तथा सही मार्गदर्शन और दिशा की आवश्यकता होती है। केन्द्र में नामांकित सी.एल.एच.आई.वी. को परामर्श सहायता, सूचना प्रदान करने एवं शिक्षित करने के लिए ए.आर.टी. सेन्टर टीम पी.डी.यू. अस्पताल राजकोट एवं डैप्कू राजकोट द्वारा संयुक्त रूप से बहुत ही सकारात्मक पहल की गई है। इस पहल के दौरान, स्वस्थ व्यवहार, मानसिक शक्ति का विकास, ध्यान सत्र, तनाव का सामना करने हेतु प्रणाली और जीवन कौशल पर ज्ञान प्रदान करने के लिए 6 मई 2016 को एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में 12 से 18 वर्ष के 45 सी.एल.एच.आई.वी. ने भाग लिया था। **डॉ० आरतीबेन त्रिवेदी, नोडल अधिकारी ए.आर.टी.सी., डॉ० मुकेश सोमानी, मनोरोग विभागाध्यक्ष, डॉ० मनीश मोनटेरिया, स्त्री/प्रसूति रोग विभाग एवं डैप्कू के जिला आई.सी.टी.सी. पर्यवेक्षक, श्री नरेन्द्र दवे (गोविन्द, राष्ट्रीय सलाहकार–डी.एन.आर.टी.) की सहायता से इसे संचालित किया गया था।**

भारत में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मेथाडोन आधारित ओपियोड प्रतिस्थापन चिकित्सा का शुभारंभ

एन.ए.सी.पी. के तहत मेथाडोन आधारित ओपियोड प्रतिस्थापन चिकित्सा के शुभारंभ के दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

देश में मेथाडोन आधारित ओपियोड प्रतिस्थापन चिकित्सा (ओ.एस.टी.) का शुभारंभ करने के लिए 8 अप्रैल 2016 को दिल्ली में **श्री एन.एस. कांग, अपर सचिव, (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)** की अध्यक्षता में मेथाडोन के साथ ओ.एस.टी. पर तकनीकी परामर्श सभा आयोजित की गई थी। इस बैठक के बाद, इसी तरह की एक और परामर्श सभा 11 अप्रैल, 2016 को होटल क्लासिक, इंफाल में **डॉ० नीरज धींगरा,** उप महानिदेशक (टी.आई., एम एंड ई एवं अनुसंधान), नाको की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी।

श्री एन.एस. कांग, अपर सचिव, (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) ने अपने मुख्य संबोधन में कहा कि मेथाडोन के साथ ओ.एस.टी. का प्रारंभ भारत में सुई द्वारा नशीली दवाओं का सेवन करने वाले लोगों में एच.आई.वी. के रोकथाम की सेवाओं में एक और मील का पत्थर होगा। उन्होंने कहा कि एन.डी.पी.एस. (संशोधन) अधिनियम 2014 की धारा 71 में किए गए परिवर्तन न केवल दवाओं पर निर्भरता के 'प्रबंधन' के लिए अनुमति देता है, बल्कि यह ओपियोड प्रतिस्थापन, रखरखाव और अन्य जोखिम कम करने वाली सेवाओं को भी न्याय संगत बनाता है। उन्होंने कहा कि 250 से अधिक एन.जी.ओ./सी.बी.ओ. के माध्यम से राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एन.ए.सी.पी.) के तहत उन लोगों को जोखिम कम करने वाली सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं जो नशीली दवाओं की सुई लेते हैं। उन्होंने उन क्षेत्रीय संवेदीकरण कार्यशालाओं की श्रृंखला के बारे में भी प्रकाश डाला जिन्हें नाको ने मादक पदार्थों से संबंधित मुद्दों पर काम कर रहे वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ आयोजित किया था और आश्वस्त किया कि आने वाले दिनों में आई.डी.यू. के लिए एच.आई.वी. की रोकथाम एवं उपचार की विभिन्न सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने के लिए इस प्रकार की संस्थाओं के साथ इसी तरह की पहल को सशक्त किया जायेगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि मेथाडोन की शुरूआत अंततः उचित उपचार विकल्पों के चयन में ग्राहकों के लिए विकल्पों में वृद्धि करेगा।

श्री एन.एस. कांग, अपर सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) ने मादक पदार्थों से संबंधित मुद्दों पर काम कर रहे अन्य मंत्रालय और विभागों से नाको द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं को बढ़ावा देने में उनके सहयोग और समर्थन के लिए भी अनुरोध किया। परामर्श सभा के दौरान, विषय विशेषज्ञों ने मेथाडोन के प्रारंभ से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं पर जिसमें स्थल का चयन, सेवा प्रदाता का प्रशिक्षण, दवाओं की खरीद और आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन आदि विषयों पर अपने अनुभव बताए। पैनल चर्चा का संचालन **डॉ० सुरेश कुमार,** मनोचिकित्सक एवं जोखिम कम करने वाली सेवाओं के विशेषज्ञ, ने किया था।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

- श्री रोहित शर्मा, निदशक, दिल्ली क्षेत्र, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एन.सी.बी.)
- श्री एस. एन. दास, अनु सचिव, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय
- श्रीमति निर्मला देवी, सहायक पुलिस आयुक्त
- डॉ० एस. के. खंडेलवाल, प्रोफेसर एवं प्रमुख, राष्ट्रीय ड्रग निर्भरता उपचार केन्द्र (एन.डी.डी.टी.सी.), एम्स
- डॉ० प्रतिमा मूर्ति, निम्हैन्स (एन.आई.एम.एच.ए.एन.एस.) डॉ० डेविड जैका, ऑस्ट्रेलिया से जोखिम कम करने वाली सेवाओं के वैश्विक विशेषज्ञ
- डॉ० मिशेल करमोड, सह–प्राध्यापक, नोशल इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ (एन.आई.जी.एच.), मेलबोर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
- डॉ० सुरेश कुमार, मनोचिकित्सक एवं जोखिम कम करने वाली सेवाओं के विशेषज्ञ, राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी एवं सामुदायिक प्रतिनिधियों के प्रतिनिधि
- इंफाल, मणिपुर में आयोजित परामर्श बैठक में अपर निदेशक (स्वास्थ्य प्रणाली), मणिपुर सरकार, आर.आई.एम.एस. के वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षकों ने भाग लिया था।
- एन.डी.डी.टी.सी. – एम्स से डॉ० रविन्द्र राव एवं डॉ० आलोक अग्रवाल, उत्तर–पूर्वी राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के परियोजना निदेशक, उत्तर–पूर्वी राज्यों से सामुदायिक प्रतिनिधि, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन एवं उत्तर–पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारीगण

सुश्री सोफिया खुमुकचम, पी.ओ.- आई.डी.यू
श्री अब्राहम लिंकनए टी.ई - एच.आर
सुश्री किम होज़लए टी.ओ. - आई.डी.यू / ओ.एस.टी. तथा
श्री चिन सामटे, टी.ओ. - आई.डी.यू

अमाला अक्किनेनी ने नाको का दौरा किया

प्रखयात पूर्व अभिनेत्री, नृत्यांगना एवं सक्रियतावादी **सुश्रि अमाला अक्किनेनी** जो मुख्य तौर एच.आई.वी के क्षेत्र में भी अपने काम के लिए जानी जाती है। वह **सुश्रि पिया सरकार** के साथ टीच एडस की सहसंस्थापक है। **सुश्रि अमालाने** 11 अप्रैल 2016 को नाको का दौरा किया तथा **''टीचएड्स''** की एनिमेटेड सीडी प्रस्तुत की **''टीचएड्स''** की सीडी इस्तेमाल करने के लिए तैयार तथा समझने के लिए एक आसान साम्रगी है जो एच.आई.वी / एडस तथा इसकी रोकथाम के लिए प्रभावी रूप से जागरूकता प्रदान करती है।

सुश्रि अमाला अक्किनेनी ने नाको का दौरा किया

सुश्रि रिचा पाठक एटी.ओ (वाई)

प्रथम पंक्ति क्षयरोग विरोधी उपचार के लिए दैनिक उपचार नियम पर एन.ए.सी.पी. एवं आर.एन.टी.सी.पी. स्टाफ द्वारा 3 दिवसीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन

एच.आई.वी.–टी.बी का राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह तथा भारत में टी.बी. की देखभाल के मानकों और ड्रग संवेदनशील टी.बी. के लिए दवा के नियम के प्रकार को जाँचने वाली विशेषज्ञ समिति ने भारत में ड्रग संवेदनशील टी.बी से संक्रमित एच.आई.वी.के साथ जी रहे व्यक्तियों (पी.एल.एच.आ. ई.वी.) के लिए दैनिक उपचार नियम का प्रस्ताव रखा। इसके अतिरिक्त, पी.एल.एच.आई.वी. में टी.बी. की रोकथाम के लिए आइसा. नाइज़िड निवारक थेरेपी एवं ए.आर.टी. केन्द्रों पर वायुजनित संक्रमण नियंत्रण गतिविधियों के सुदृढ़ीकरण के लिए भी प्रस्ताव रखा।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा विश्व टी.बी. दिवस 2015 को नाको–सी.टी.डी.–डब्लयू.एच.ओ. के एक पायलट पहल "31वीं परियोजना" के रूप में 5 उच्चतम बोझ वाले राज्यों यथा–आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं तामिलनाडु में इसका शुभारंभ किया।

राष्ट्रीय टी.बी. एच.आई.वी. समन्वय समिति ने पूरे देश में गतिविधि को उन्नत बनाने का प्रस्ताव रखा। एन.ए.सी.पी. एवं आर.एन.टी.सी.पी. स्टाफ को टी.बी. विरोधक, आई.पी.टी. एवं ए.आई.सी. के दैनिक उपचार नियम की विस्तृत पद्धति पर क्षमताओं एवं कौशल को विकसित करने के लिए शेयर इंडिया के साथ प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.) का संचालन किया एवं चिकित्सा अधिकारियों और स्टाफ नर्स के लिए मानकित प्रशिक्षण सामग्री का उपयोग करते हुए प्रशिक्षण के सोपानी मॉडल के साथ ए.आर.टी. केन्द्रों पर संचालित किया गया था।

इस संबंध में, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन एवं केन्द्रीय टी.बी. विभाग ने सभी एच.आई.वी.–टी.बी. सह–संक्रमित मरीजों के लिए प्रथम पंक्ति क्षयरोग विरोधी उपचार (ए.टी.टी.) के लिए दैनिक नियम तथा ए.आर.टी. केन्द्रों के लिए 31वें घटना की घनीभूत खोज ;आई.सी.एफ.), आइसोनाइज़िड निवारक थेरेपी (आई.पी.डी.) एवं वायुजनित संक्रमण नियंत्रण (ए.आई.सी.) रणनीतियों पर मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस में तीन दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.) किया गया।

नाको के संयुक्त सचिव, **डॉ० सी.वी. धर्म राव ने प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन किया एवं डॉ० नरेश गोयल, डी.डी.जी. (एल.एस.),**

प्रथम पंक्ति क्षय रोग विरोधी उपचार के प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षकों की ग्रुप तस्वीर

डॉ० के.एस. सचदेव डी.डी.जी. बी.एस.डी. नाको/, डॉ० रघुराम राव, डी.ए.डी.जी.–टी.बी./सी.टी.डी., स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय/, डॉ० बी. बी. रेवाड़ी, राष्ट्रीय कार्यक्रम पदाधिकारी (ए.आर.टी.) सी.एस.टी., नाको, डॉ० राजेश देखमुख, कार्यक्रम अधिकारी (एच.आई.वी.–टी.बी.), बी.एस.डी., नाको, डॉ० राजशेकरन एस., डॉ० अमर शाह, आर.एन.टी.सी.पी. सलाहकारों के प्रतिनिधि, शेयर इंडिया, सी.डी.सी. इंडिया एवं मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस ने प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया जिसमें एस.ए.सी.एस. (जे.डी./सी.एस.टी.), राज्य टी.बी.–एच.आई.वी. समन्वयक, क्षेत्रीय सलाहकारों, राज्य टी.बी. अधिका. रीगण एवं सभी राज्यों के आर.एन.टी.सी.पी. सलाहकारों ने भाग लिया।

आर.एन.टी.सी.पी. द्वारा राज्य एवं क्षेत्रीय स्तर पर जिला टी.बी. अधिकारियों एवं टी.बी. नियंत्रण के चिकित्सा अधिकारियों के लिए इसी तरह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। 22–23 एवं 25–26 फरवरी, 2016 को राष्ट्रीय टी.बी. संस्थान (एन.टी.आई.), बंगलौर में दो टी.ओ.टी. प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया था।

सभी घटकों अर्थात् घटना की घनीभूत खोज (आई.सी.एफ.), सी.बी.एन.ए.ए.टी. के उपयोग, आई.सी.टी. द्वारा उपचार अनुपालन, ए.डी.आर. का प्रबंधन, ए.आई.सी. के लक्ष्य, आई.पी.टी., अनुश्रवण एवं मूल्यांकन की रणनीति को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

डॉ० राजेश देशमुख, पी.ओ. (एच.आई.वी./टी.बी.)

लोक संचार माध्यम के द्वारा दूरस्थ आबादी तक पहुँच

तेलंगाना राज्य के गठन को दो साल हो चुके हैं तथा ये कई विकासात्मक मुद्दों अग्रसर हैं। तेलंगाना राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने जुलाई, 2015 से काम करना प्रारंभ किया था और राज्य में एच.आई.वी./एड्स के नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए उनका काम जारी है।

तेलंगाना के उच्च दर वाले राज्यों में से एक होने के कारण, टी.एस.ए.सी.एस. को कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ा, जैसे विभाग के बँटवारे से बनी अस्पष्टता, जिसमें राज्य में संचार गतिविधियों के संचालन हेतु स्टाफ के आवंटन एवं धनराशि की उपलब्धता भी शामिल है।

लक्षित समूहों के विभिन्न खण्डों तक पहुँचने के लिए आई.ई.सी. प्रभाग ने प्रयासों को मज़बूत किया है तथा गतिविधियों को – विशेषकर प्राथमिकता वाली गतिविधियों को – सुचारू ढंग से संचालित करने का प्रयास किया है। मेदाराम जातरा एशिया में सबसे बड़े जनजातीय जातरा में से एक है। यह मेदाराम गाँव में हर दो

मेदाराम गाँव में लोक कलाकार प्रदर्शन करते हुए

वर्षों में एक बार मनाया जाता है। इस साल राज्य के अलावा सारे राज्यों, जैसे–महाराष्ट्र, ओडीसा, छत्तीसगढ़, कर्नाटक एवं झारखंड से भी लगभग 80 लाख से एक करोड़ लोगों ने इस समारोह में भाग लिया तथा जंगल से लाए गए देवी–देवताओं के दर्शन किए, और पूजा के तीन दिन के बाद उन्हें विदा किया। इस संबंध में, आई.ई.सी. प्रभाग ने पल्ले सुड्डुलु, जो तेलंगाना राज्य में बहुत लोकप्रिय पारंपरिक नाट्य कला का रूप है, के प्रारूप में परयोजना बनायी तथा लोक कलाकारों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया। टीमों को प्रशिक्षित करने हेतु हर दो जिलों पर एक विषय विशेषज्ञ को नियुक्त किया गया था। विषय विशेषज्ञ और टीम ने तीन दिन के लिए एक साथ रहकर आंतरिक प्रशिक्षण पूरा किया, जिसका वीडियो बनाया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में अर्थात तीसरे दिन सर्वश्रेष्ठ टीमों द्वारा आदर्श

लोककला माध्यम के कलाकार मंच पर प्रदर्शन करते हुए

प्रदर्शन किया गया और और जिसे फिल्माया गया और इसकी डी.वी.डी. सभी डी.ए.पी.सी.यू. को उनकी टीमों द्वारा प्रदर्शित किए गए शो की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बाँटा गया।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरांत, डी.ए.पी.सी.यू. द्वारा मेदाराम जतरा में पल्ले सुड्डुलु नाट्य कला का संचालन किया। सतर्कतापूर्वक बनाई गई योजना और डी.ए.पी.सी.यू. के बीच बढ़िया समन्वय ने जातरा में 204 नाट्य कला के प्रदर्शन के द्वारा 71400 लोगों तक पहुँचा गया। इन लोगों में से कई लोग एच.आई.वी. की जाँच कराने नजदीकी आई.सी.टी.सी. केन्द्रों पर गए।

वारंगल जिला के डी.ए.पी.सी.यू. ने इस नाट्य कला शो के सफल कार्यान्वयन हेतु जिला प्रशासन के साथ प्रदर्शन के आयोजन के लिए स्थान प्राप्त करने के लिए समन्वय किया। प्रतिदिन दो शो का प्रदर्शन एवं लक्षित दर्शकों को एच.आई.वी/एड्स के प्रति जागरूकता प्रदान करने के लिए जातरा क्षेत्र से लगभग 20 कि०मी० की परिधि में फैले 20 से अधिक उच्च सामुदायिक क्षेत्रों का चयन कर 20 स्थानों पर टीमों को रखा गया था। इस गतिविधि में शामिल टीम के सदस्यों, एस.ए.सी.एस./डी.ए.पी.सी.यू. के अधिकारियों के लिए पास की भी व्यवस्था की गई है।

नाट्य कला के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए एवं टीमों को आवश्यक सहयोग देने हेतु त्रि–स्तरीय अनुश्रवन प्रणाली की व्यवस्था की गई थी। तेलंगाना राज्य एड्स नियंत्रण समिति के राज्य स्तरीय अधिकारियों को उनके आवंटित जिलों के अनुसार प्रदर्शन के अनुश्रवण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दूसरे स्तर में विषय विशेषज्ञ स्थलों का दौरा कर प्रदर्शन का अनुश्रवण किया जिसने कार्यक्रम क्षेत्र में प्रदर्शन की गुणवत्ता में सुधार लाने में मदद की। प्रत्येक जिले के डी.ए.पी.सी.यू. सदस्यों ने मेदाराम में अपने आवंटित क्षेत्रों में अपनी टीमों के प्रदर्शन की जाँच के लिए दौरा किया।

टीम को यह निर्देश दिया गया था कि उन्हें कम–से–कम पाँच दर्शकों के मोबाईल नंबर लेकर उन्हें रिपोर्टिंग प्रारूप सं०–2 में दर्ज करना है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों/स्टाफ द्वारा प्रदर्शन में भाग लेने पर उन्हें प्रदर्शन को प्रमाणित करने को कहा गया।

जे.डी.(आई.ई.सी.), डी.पी.एम. तथा टीम लीडर्स का व्हाट्सएप्प ग्रुप बनाया गया जिसमें उन्होंने प्रदर्शन के तुरन्त बाद उसकी तस्वीरें और लघु वीडियो को ग्रुप में दिखाया। सभी सदस्यों को सूचित करने हेतु और अन्य टीमों को अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयासों को बाँटने हेतु प्रेरित में यह प्रभाविक साबित हुआ।

सर्वश्रेष्ठ अभ्यास

- मानदण्ड स्थापित किया एवं इसने विषय–वस्तु की समीक्षा एवं प्रदर्शन की गुणवत्ता की जाँच करने में डी.ए.पी.सी.यू. की मदद की।
- मेदाराम जातरा में दर्शकों तक पहुँचने में प्रदर्शन का उपयोग किया गया। जातरा के बड़े सामुदायिक क्षेत्रों में प्रदर्शन के कारण लक्षित लोगों तक पहुँच अधिक थी।
- तस्वीरें और अद्यतन खबर बाँटने के लिए लोक मीडिया प्रदर्शनकारी टीमों एवं डी.पी.एम. के साथ व्हाट्सएप्प ग्रुप के निर्माण ने अन्य टीमों के लिए प्रेरणा का काम किया।
- जागरूकता पैदा करने व कंडोमों का वितरण के लिए स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभागों तथा वारंगल जिला प्रशासन के आपसी सहयोग से प्रदर्शन का संचालन हुआ।
- सतर्क योजना विकसित करने और 20 अलग–अलग स्थानों पर इसे लागू करने के लिए 10 डी.ए.पी.सी.यू. के बीच के बेजोड़ समन्वय ने दर्शकों की भारी भीड़ जुटाने में अहम भूमिका निभाई।

लोककला माध्यम के कलाकार का प्रदर्शन

तेलंगाना एस.ए.सी.एस.

ओ.एस.टी. उपभोगता के मामले का अध्ययन

ओ.एस.टी. उपभोगता के मामले का अध्ययन – स्वैच्छिक एजेंसियों की सेवा के लिए चंडीगढ़ सोसायटी में इंजेक्शन द्वारा नशीले पदार्थों के सेवकों के लिए लक्षित गतिविधियों का कार्यक्रम ।

35 वर्षीय राजकुमार (नाम परिवर्तित), ऑटो ड्राइवर एवं सह– प्रशिक्षक। अन्य नशीले पदार्थों के सेवकों की तरह ही **राजकुमार** की कहानी एवं उसके मनोसमाजिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव आम है। वह एक मध्यम वर्गीय परिवार से था। जब वह 8वीं कक्षा में पढ़ रहा था तो उसके पिता की मृत्यु हो गई जिससे पूरे परिवार का उत्तरदायित्व शीघ्र ही उसके कंधों पर आ गया। उसके परिवार के अन्य सदस्यों में माँ, तीन बहनें और एक बड़ा भाई हैं। अपने शुरूआती दिनों में वह बहुत मेहनती था। आरंभ में उसने एक ऑटो रिक्शा किराए पर लिया और दो ही साल में उसने खुद का ऑटो रिक्शा भी खरीद लिया। वर्ष 2000 में राजकुमार की शादी हो गई।

वर्ष 1998 के शुरूआती दिनों में, राजकुमार को अपनी यौन उत्तेजनाओं का एहसास हुआ। उचित मार्गदर्शन एवं चिकित्सीय सलाह के अभाव में वह अपनी यौन क्षमताओं में वृद्धि के कारण उपजे अपने मानसिक तनाव से लड़ने में खुद को असहाय महसूस करने लगा। शुरू में, अपने मानसिक तनाव से आराम के लिए उसने नींद की गोलियों का सहारा लिया ताकि वह अपने यौन संबंधित विचारों को अनदेखा कर सके। उसके दोस्तों ने उसे अपनी चिंताओं के समाधान के लिए और अपनी यौन शक्ति बढ़ाने के लिए उसे कुछ नशीले पदार्थों के बारे में सुझाव दिया। शीघ्र ही राजकुमार नशीले पदार्थों की पहली खुराक के लिए अपने दोस्तों के पास पहुँचा।

वह प्रोक्ज़ियम नामक नशीले पदार्थ, जो चंडीगढ़ में निषिद्ध है और जिसे सामान्यतः नशीले पदार्थों के सेवक करते हैं, के सम्पर्क में आया। कुछ समय बाद **राजकुमार** का ऐसे दोस्तों का समूह बन गया जो नशे के लिए विविध प्रकार की नशीली दवाईयों का सेवन करने थे। उसे इंजेक्शन लगाने के तरीकों, तकनीकों एवं महत्वपूर्ण रूप से नसों या कोशिकाओं में पंप करने वाली मुख्य नशीली दवाओं के बारे में जानकारी नहीं थी। उसके दोस्तों में से एक, तेजिन्दर – जिनकी एच.आई.वी./एड्स के कारण तीन साल पहले मृत्यु हो गई थी – ने एपिसोड और सुई लगाने के लिए शरीर के मुख्य हिस्से और तकनीकें उसे दिखाई। इसके शीघ्र बाद **राजकुमार** अपनी नसों में कई नशीले पदार्थ जैसे– नॉर्फीन, मॉर्फीन, एविल, एडनॉक, निट्रावेट 10, टेटनस वैक्सीन, ल्यूपीजेसिक, स्मैक, डायजेपाम एवं भांग इत्यादि लेना शुरू कर दिया।

नए खुराक या एपिसोड की खरीद के लिए उसे पैसों की कमी होने लगी, तथा उसका जीवन केवल अपने दोस्तों के इर्द गिर्द ही भटकने लगा। परिवार से दूर अलग–थलग रहने के कारण, परिवार और संबंधियों के साथ उसका सामाजिक संपर्क भी टूट गया था। घरेलू हिंसा एवं पत्नी, माँ एवं अन्स परिवारजन के साथ प्रतिदिन झगड़ा बहुत आम हो गया था।

वर्ष 2011 में, **राजकुमार** के जीवन में एक नया मोड़ आया जब उसकी बेटी पैदा हुई। समय बीतने के साथ **राजकुमार** ने महसूस किया कि उसका वर्तमान हालात उसकी बेटी के भविष्य के जीवन के लिए बहुत बुरे हैं। तब उसने अपनी बेटी के लिए स्वयं को बदलने का निर्णय लिया कि वह और वह ओ.एस.टी. केन्द्र गया जहाँ चिकित्सक द्वारा शुरूआती अवधि के दौरान उसके लिए 4 मिलीग्राम की दैनिक खुराक निर्धारित की गई। उसके बाद 2 वर्षों तक निरंतर डॉक्टर से मिलते रहने व दिखाते रहने एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श व सहायता से राजकुमार की कहानी अब पूरी तरह से बदल गयी है।

आज वह सोसवा नामक गैर सरकारी संस्था के टी.आई.–आई.डी.यू. परियोजना में पीयर एड्युकेटर साथ–ही–साथ ऑटो चालक के रूप में काम करते हुए अपने नए सामाजिक जीवन का आनन्द ले रहे हैं। वह अन्य आई.डी.यू. को नशीली दवाओं की दुनिया से बाहर लाने में मदद कर रहा है।

"मैंने कई बार अपने आप से कहा कि मैं नशीली दवाओं का सेवन करने नहीं जाउँगा लेकिन मैं अपने को रोक नहीं पाता था। मेरा जीवन, मेरा परिवार, मेरा वैवाहिक जीवन सब उथल–पुथल हो गया था। मैं अपने आप को असहाय महसूस करता था। जब मेरे जीवन में मेरी बेटी आयी, जब उसे पहली बार अपने हाथों में मैंने लिया था, तब मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपने जीवन के साथ क्या कर दिया था। उस समय मैंने खुद को जाना।"

सुश्रि पूजा श्रीवास्तव एवं राजकुमार (नाम परिवर्तित), पी.एस.ए.सी.एस

हिमाचल प्रदेश के विधायकों का एच.आई.वी./एड्स पर विधायी फोरम से संबंधित जागरुकता बैठक

हिमाचल प्रदेश के विधायकों का एच.आई.वी./एड्स पर विधायी फोरम से संबंधित जागरुकता बैठक हिमाचल प्रदेश विधान सभा के माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में 6 अप्रैल, 2016 को आयोजित किया गया था।

मुख्य संसदीय सचिव (सी.पी.सी.), स्वास्थ्य, श्री नन्दलाल ठाकुर, ने जागरुकता बैठक में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। सत्र के शुरूआत में, मुख्य संसदीय सचिव (सी.पी.सी.), स्वास्थ्य, श्री नन्दलाल, ने भारत में तथा हिमाचल प्रदेश में एच.आई.वी./एड्स के परिदृश्यों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने माननीय मुख्य मंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री से राज्य में पी.एल.एच.आई.वी. के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की जा रही वित्तिय सहायता राशि में वृद्धि का आग्रह किया जिसके मदद से वे स्वस्थ जीवन जी सकें।

माननीय मुख्य मंत्री श्री वीरभद्र सिंह ने एड्स पर विधायी फोरम के लिए संवेदीकरण कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कहा कि ऐसी कार्यशालाओं से घातक बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने में काफी सहायता मिलती है। उन्होंने राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी की विधायकों को अपने साथ जोड़ने के इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि विधायक जनता में जागरूकता फैलाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

मुख्य मंत्री ने कहा कि सरकारी एवं गैर–सरकारी एजेंसियों द्वारा एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरूकता पैदा करने के किए जा रहे प्रबल प्रयासों के बावजूद एच.आई.वी./एड्स से संबंधित गलत धारणाओं ने इस घातक बीमारी के संबंध में लोगों को शिक्षित करने के प्रयासों को पीछे छोड़ दिया है एवं हम हिमाचल प्रदेश के जिम्मेदार नागरिकों और नेतागणों को एच.आई.वी./एड्स के खिलाफ लड़ाई लड़ने में एक जुट होकर काम करना होगा।

माननीय मुख्य मंत्री ने कहा कि चूँकि लोग निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को बड़ी सहनशीलता पूर्वक सुनते हैं इसलिए वे एच.आई.वी./एड्स के खतरनाक प्रभावों के बारे में जनता को समझा सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ इस रोग से जुड़े कलंक और भेदभाव लोगों को चिकित्सीय मदद और संबंधित जानकारी से दूर रखते हैं, दूसरी ओर कुछ लोगों का यह विश्वास कि वे संक्रमित नहीं हो सकते, अस्वीकृति को बढ़ावा देता है और सुरक्षा की गलत भावना से लुभाकर रोग की वास्तविकताओं से उन्हें दूर रखता है। इस कार्य में संलग्न विधायक, गैर सरकारी संस्थाओं एवं अन्य सरकारी विभागों/एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी से ऐसे सभी मुद्दे सक्षमतापूर्वक हल किया जा सकता हैं।

माननीय मुख्य मंत्री ने बीमारी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए समाज के सभी वर्गों से ऐसे सभी प्रयासों की पूर्ति के लिए सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं से एच.आई.वी. तथा अंतर्वयैक्तिक संबंधों पर चर्चा एवं संचार के लिए रास्ते खुलते है जो समाज में जागरूकता पैदा कर सकता है।

माननीय मुख्य मंत्री ने ऑनलाइन बल्ड बैंक प्रबंधन सूचना प्रणाली (बी.बी.एम.एस.) को राज्य के लोगों को समर्पित किया। बी.बी.एम.एस. से राज्य के विभिन्न बल्ड बैंक में रक्त की उपलब्धता तथा रक्तदाताओं की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

माननीय मुख्य मंत्री ने कहा कि यह बहुत आश्चर्यजनक था कि विश्व भर में एच.आई.वी./एड्स के करीब 3 करोड 40 लाख़ मामले प्रतिवेदित किए गए जिनमें करीब 20.9 लाख मामले सिर्फ भारत में जाँचोपरान्त पॉजीटिव पाए गए। जहाँ तक हिमाचल प्रदेश का संबंध है एच.आई.वी. के 8,497 मामलें जाँचोपरान्त पॉजीटिव पाए गए हैं, जिनमें से 3,127 लोग एड्स से पीड़ित हैं।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री, हिमाचल प्रदेश सरकार, श्री कौल सिंह ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार एच.आई.वी./एड्स रोगियों के उपचार को लेकर बहुत चिंतित है और एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (ए.आर.टी.) केन्द्रों में उपचार के लिए आ रहे रोगियों को बस का किराया प्रदान कर रही थी। उन्होंने यह भी कहा कि एच.आई.वी./एड्स के बारे में लोगों को जानकारी प्रदान करने के लिए जन चेतना की आवश्यकता है। यही नहीं, स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी सुनिष्चित करने का आश्वासन दिया कि विधान सभा के आने वाले सत्र में एच.आई.वी./एड्स पर विधायी मंच की बैठक आयोजित की जाएगी, पी.एल.एच.आई.वी. के लिए वित्तीय सहायता में कुछ संशोधनों का मसौदा तैयार किया जाएगा एवं हिमाचल प्रदेश में एच.आई.वी./एड्स द्वारा संक्रमित एवं प्रभावित लोगों के लिए इसमें अन्य लाभों को जोड़ा जाएगा।

निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ व परियोजना निदेशक **डॉ० डी. एस. गुरंग** ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और सभा के सदस्यों को हिमाचल प्रदेश में पी.एल.एच.आई.वी. के उत्थान के लिए काम करने के लिए आग्रह किया।

हिमाचल प्रदेश, एस.ए.सी.एस.

मुख्य धाराकरण के तहत नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा स्कूल नहीं जाने वाले युवकों से संबंधित गतिविधियाँ

बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, पटना, स्कूल नहीं जाने वाले युवाओं हेतु एच.आई.वी. और एड्स से संबंधित जन स्तरीय जागरूकता एवं रोकथाम के लिए **"नेहरू युवा केन्द्र संगठन"** के क्षेत्रीय कार्यालय के साथ काम कर रहा है। जैसा कि हम लोग जानते हैं कि बिहार की साक्षरता दर कम है और बिहार के ज्यादा तर नागरिक ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। साथ ही साथ बिहार प्रवासी राज्य के स्रोत के रूप में भी जाना जाता है जोकि एच.आई.वी. तथा एड्स कार्यक्रम के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा है। जागरूकता एवं रोकथाम के उपाय का ज्ञान स्तर भी राज्य में कम है।

इस संदर्भ में बी.एस.ए.सी.एस. ने **"नेहरू युवा केन्द्र संगठन"** से संपर्क किया जो कि 15 से 35 वर्ष के बीच के आयुवर्ग के स्कूल नहीं जाने वाले युवाओं के साथ काम कर रहा है और जिसके क्लबों में करीब छः लाख युवा सदस्य हैं। शुरू में, 2012–13 में " **नेहरू युवा केन्द्र संगठन**" के साथ सिर्फ बिहार के स्रोत प्रवासी जिलों में काम करने की योजना बनायी गयी थी एवं कार्य किया गया था, लेकिन बाद में उन जिलों में उन्मुखी–सह–जागरूकता गतिविधियों की सफलता से बी.एस.ए.सी.एस. ने बिहार के सभी जिलों में इस कार्य क्रम करने का फैसला किया।

वर्ष 2012–13 से, बिहार में जिला एवं राज्य स्तर पर करीब 14,155 युवा क्लब के सदस्य इस गतिविधि से जुड़ चुके हैं। युवा क्लब के सदस्य, जिनका जिला स्तरीय कार्यक्रम के तहत उन्मुखी करण हो चुका है, वे एच.आई.वी. एवं एड्स के बारे में अन्य क्लब सदस्यों के बीच संदेशों का प्रचार–प्रसार कर रहे हैं। यह कार्यक्रम न केवल एच.आई.वी. एवं एड्स के पहलुओं पर बल्कि स्वैच्छिक रक्तदान पर भी सदस्यों को जागरुक कर रखा है एवं इन्हें बढ़ावा दे रहा है। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, उन युवा क्लब के सदस्यों को भी आमंत्रित कर रहा है, जिन्होंने विभिन्न राज्य स्तरीय कार्यक्रमों, जैसे–राष्ट्रीय युवा दिवस, अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस, विश्व एड्स दिवस इत्यादि के दौरान युवा क्लबों के साथ उत्तम काम किया था। इस कार्यक्रम के तहत संग्रहण पर विशेष ध्यान दिया गया था और इसे ग्राम पंचायत सभा के सत्रों के दौरान एन.वाई.के.एस. के डी.वाई.सी./एन.वाई.सी. के पर्यवेक्षण में शामिल भी किया गया था।

श्री दीपक मंडल ने इस कार्यक्रम के सफलता पर ओ.एस.वाई. कार्यक्रम पर अपने अनुभवों को बाँटते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के शुरू होने से पहले बहुत कम ग्रामीण युवा एच.आई.वी. और एड्स के बारे में खुलकर बात करते थे, लेकिन आजकल अधिक से अधिक ग्रामीण युवा एच.आई.वी. के बारे में जानते हैं तथा अन्य लोगों को भी एच.आई.वी. की जाँच के लिए प्रेरित करने का प्रयास करते हैं।

अंततः इस कार्यक्रम के माध्यम से सराहनीय कार्य किया गया है। सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार हेतु तकनीकी साथ ही साथ वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए यूनिसेफ एन.वाई.के.एस., डी.वाई.सी. एवं एन.वाई.सी. को सहयोग देने के लिए तैयार है। तद्नुसार, बी.एस.ए.सी.एस. ने दिसम्बर 2015 में इस कार्यक्रम के तहत मास्टर ट्रेनर्स को एस.बी.सी.सी. के लिए प्रशिक्षित कया गया था। उसके बाद, मास्टर प्रशिक्षकों ने युवा क्लब के सदस्यों के लिए सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार हेतु जिला स्तर पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन किया था।

"पहले एन.वाई.के.एस., एच.आई.वी. एवं एड्स कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ को खोजा करता था, लेकिन अब परिस्थिति बदल गई हैं, चूँकि अब एन.वाई.के.एस. के जिला स्तर पर ही विशेषज्ञ समूह उपलब्ध हैं।"
श्री नरेन्द्रराय, जिला युवा समन्वयक, जहानाबाद

श्री, आलोककुमार सिंह ए.डी. (युवा)
बिहार एस.ए.सी.एस.

राज्यों की ई.एल.एम. गतिविधियाँ

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने उद्योगों से जुडे अनौपचारिक प्रवासी मज दूरों तक पहुँच बनाने के लिए नियोक्ता चलित मॉडल (ई.एल.एम.) की गतिविधियों कोलागू किया है, जिसमें नियोक्ताओं (उद्योगों) की मौजूदा संरचना एवं प्रणाली के अंतर्गत एच.आ. ई.वी./एड्स की रोकथाम से देखभाल तक के कार्यक्रम को एकीकृत किया गया है। यह मॉडल अनौपचारिक कार्य बल में एच.आई.वी. महामारी एवं इसके खतरे व प्रसार को कम करने हेतु भारत के एच.आई.वी. की रोकथाम, देखभाल एवं सहयोग कार्यक्रम की पहुँच उन तक बढ़ाने हेतु अवसर प्रदान करता है। मई 2016 के अंत तक 25 राज्यों के 127 जिलों से 30 औद्योगिक क्षेत्रों को आवरित 304 उद्योगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया है। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से करीब 2.62 लाख प्रवासी श्रमिकों तक पहुँचा जा चुका है, जिनमें से 3,523 व्यक्तियों ने परामर्श सेवायें प्राप्त करीं हैं एवं एच.आई.वी. की जाँच कराई है। 970 व्यक्तियों में एस.टी.आई. का इलाज किया गया था एवं 6 एच.आई.वी. पॉजीटिव व्यक्तियों को ए.आर.टी. सेवाओं के लिए रेफर किया गया था।

मई 2016 में एम.पी.टी., गोवा में एच.आई.वी.–एड्स पर सामूहिक सत्र

मोतीबाग, नई दिल्ली में डी.एम.आर.सी. के पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

राजस्थान में ई.एल.एम. गतिविधियाँ

राष्ट्रीय प्रवासी ईकाई,
टी.आई. प्रभाग, नाको

बच्चों का, बच्चों के लिए और बच्चों द्वाराः काबा के मुद्दों पर संस्थान में बाल संसद

कर्नाटक स्वास्थ्य संवर्धन ट्रस्ट द्वारा चयनित राज्यों में एच.आई.वी./एड्स द्वारा ग्रसित अनाथ और उपेक्षित/कमजोर बच्चों के लिए से सामाजिक सुरक्षा परियोजना को यू.एस.एड एवं नाको के सहयोग से लागू किया गया है। कार्यक्रम का लक्ष्य एच.आई.वी./एड्स (सी.ए.बी.ए.) से प्रभावित बच्चों में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने वाली, शैक्षणिक, सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी सेवाओं की पहुँच में वृद्धि करना है।

एच.आई.वी./एड्स ओ.वी.सी. सामाजिक सुरक्षा परियोजना संस्थानों को बच्चों के अनुकूल बनाने, बाल अधिकारों को कायम रखने एवं प्रतिरोध क्षमता के लिए बच्चों को सशक्त बनाने के उद्देष्य के साथ एच.आ. ई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों की देखभाल करने वाले संस्थानों में बाल संरक्षण नीति, संस्थागत देखभाल करने वालों के लिए प्रशिक्षण एवं बाल संसद को बढ़ावा दे रही है।

कर्नाटक के बेलगाम जिले में पॉजीटिव लोगों के लिए स्पंदन नेटवर्क द्वारा संचालित नंनदना मकाला धामा छात्रावास (Nandana Makkala Dhama hostel) में बाल संसद के गठन के बाद चीजें बहुत तेजी से बदल रही हैं। यू.एस.एड एच.आई.वी./एड्स ओ.वी.सी. सामाजिक सुरक्षा परियोजना की संस्थाओं को बाल संरक्षण नीति (सी.पी.पी.) पर कार्यश. ालाओं दवारा प्रशिक्षित करने एवं संस्थागत देखभाल करने वालों के लिए प्रशिक्षण की पहल ने बच्चों में निर्वाचित नेताओं की भूमिका एवं क्रियाशीलता स्पष्टता की कमी से उनकी समस्याओं को साधने और उन्हें हल करने के निमित्त सक्रिय भागीदारी, सामूहिक रूप से समाधान ढूंढ़ने का यह परिवर्तन संभव किया है।

बाल संसद द्वारा पहचाना गया प्रमुख खतरा छात्रावास के बगल की खाली जगहों में साँपों और मूषकों का अक्सर पाया जाना था। भूमि के उस हिस्से में साँपों को रहने से रोकने के प्रयास में बाल संसद ने एक चर्चा के बाद इसे खुद साफ करने का फैसला किया।

जब वे भूमि (प्लॉट) को संतोषजनक ढंग से साफ करने में असफल रहे, तब उन्होंने मि० नाडाफ, जिला परियोजना समन्वयक की मदद से नगर निगम के पास जाने का निश्चय किया। बेलगाम के निगमायुक्त के पास एक पत्र भेजा गया एवं 19 दिनों के अंदर निगम के मजदूर आए और उन्होंने भूमि (प्लॉट) को साफ कर परिसर के बच्चों के लिए उसे सुरक्षित कर दिया।

कर्नाटक के इस क्षेत्र में सरकार द्वारा की गई कार्रवाई को परियोजना कर्मचारी की मदद और सहयोग से एवं बाल संसद जैसी प्रणाली की स्थापना, जो बच्चों को वे मुद्दे जो उन्हें प्रभावित करते हैं और उनसे संबंधित निर्णय लेने हेतु एक हित धारक होना संभव बनाती है, से सुगमतापूर्वक अंजाम दिया गया था। बाल संसद और परियोजना कर्मचारी के बीच साझेदारी संस्थान के मुद्दों और चुनौतियों पर काबू पाने एवं वहाँ रहने वाले बच्चों के लिए अत्यंत अहम थी।

जिन बच्चों ने अपने प्रयासों के इन सकारात्मक परिणामों को देखा है उन्हें नेता के रूप में अपनी भूमिका पर सकारात्मकता एवं आत्मविश्वास है। उनकी राय है कि एक साथ वे छात्रावास के बच्चों के अन्य सभी मुद्दों और चिंताओं को सामूहिक रूप से सुलझा सकते हैं।

पॉजीटिव लोगों के लिए स्पंदन नेटवर्क जो बेलगाम के इस छात्रावास को संचालित करता है यू.एस. एड एच.आई.वी./एड्स ओ.वी.सी. सामाजिक सुरक्षा परियोजना के साथ भागीदार है और इसे बाल संरक्षण नीति पर परियोजना कार्यशालाओं से लाभ मिला है। इसके परिणाम स्वरूप आई.एन.एस.ए.–भारत के सुगम/सहज सहयोग से संस्थान में बाल संसद की स्थापना की गई थी, जो संस्थान में बच्चों के बीच नेतृत्व क्षमता के निर्माण में एक अनुकरणीय भूमिका अदा करती है।

यह परियोजना बाल संरक्षण नीति को अधिक से अधिक संस्थानों में अपनाने के प्रयासों पर केन्द्रित होते हुए आगे बढ़ता रहेगा और एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों की दुनिया को बदलेगा।

बाल संसद के माध्यम से सी.ए.बी.ए. / काबा सशक्तीकरण

श्री. रवि, आई.ई.सी. तथा मुख्य धाराकरण,नाको

एन.बी.टी.सी. एवं नाको द्वारा संयुक्त रूप से विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया

प्रत्येक वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है जिसका उद्देश्य स्वैच्छिक रूप से, नियमित तौर पर, बार. बार दोहराने वाले, बगैर किसी वेतन के दान देने वाले रक्तदाताओं को उनके जीवन रक्षक उपहार के लिए धन्यवाद देना तथा रक्त और रक्त उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए जरूरतमंद रोगियों के लिए नियमित रक्तदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना होता है। इस साल के विश्व रक्तदाता दिवस का थीम/विषय था **"ब्लड क्नेक्टस अस ऑल"** जो रक्तदाताओं को धन्यवाद देने पर एवं रक्तदाताओं और रोगियों के बीच आपसी सांझ एवं रिश्ते के आयामों /पहलुओं पर केन्द्रित था। **''जीवन दान करो रक्त दान करो (शेयर लाईफ गिव ब्लड)''** का नारा एक–दूसरे की देखभाल करने हेतु लोगों को प्रोत्साहित करने में एवं समुदायिक सामंजस्य को बढ़ावा देने में स्वैच्छिक रक्तदान प्रणालियों की भूमिका की ओर ध्यान खींचता है।

यह कार्यक्रम पी.जी.आई.एम.ई.आर. में, नई दिल्ली में आर.एम.एल. अस्पताल सभामण्डप। उत्सव, इंडिया गेट पर **"वॉक फोर ब्लड"** के साथ शुरू हुआ, जहाँ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से 300 से अधिक प्रतिभागी जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एक साथ आए। प्रतिभागियों ने नारे, थीम/विषय, उद्धरण एवं बैनरों के साथ वॉक किया। यह एन.बी.टी.सी. द्वारा आयोजित ऐसा तीसरा समारोह था।

श्री एन.एस. कांग, अतिरिक्त सचिव, (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)

14 जून 2016 को चेन्नई में रक्ताधान सेवाओं के लिए मेट्रो ब्लड बैंक सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस उत्कृष्टता केंद्रों के निर्माण हेतु भारत सरकार एवं तमिलनाडु सरकार के बीच समझौता ज्ञापन

सभामण्डप में समारोह का प्रारंभ सभी गणमान्य व्यक्तियों के साथ "दीया वॉकः अंधेरा को दूर करने के लिए प्रकाश का प्रवेश" के साथ हुआ। इस अवसर पर **श्री एन.एस. कंग, (अतिरिक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं अध्यक्ष, एन.बी.टी.सी.), डॉ० (प्रो०) जगदीश प्रसाद (डी.जी.एच.एस.), डॉ० बी.डी. अथानी (अतिरिक्त डी.जी.एच.एस.), डॉ० सी.वी.धर्मा राव (जे.एस., नाको), डॉ० आर.एस. गुप्ता (डी.डी.जी.–बी.टी.एस. एवं निदेशक, एन.बी.टी.सी.), डॉ० ए.के. गैडपायल (सुश्री, डॉ० आर.एम.एल. अस्पताल), सुश्री ब्रेक्सेन (डब्ल्यू.एच.ओ.) उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए श्री एन.एस. कांग, (अतिरिक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं अध्यक्ष, एन.बी.टी.सी.)** ने कहा कि "रक्तदाता दिवस मनाने का उद्देश्य नियमित रूप से रक्त दान करने वाले लोगों की उपलब्धियों को मान्यता देना एवं प्रशंसा करना है। हमे रक्तदान के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक एवं प्रेरित करने की आवश्यकता है ताकि भविष्य की रक्त जरूरतों को पूरा करने के लिए रक्तदाताओं की कुल संख्या आवश्यक रूप से निरंतर बढ़ती रहे।

कार्यक्रम के अंत में **डॉ० सुप्तेन** अधिकारी द्वारा एन.बी.टी.सी.–एन.एच.पी. ब्लड लोकेटर एंड्रायड एप्लीकेशन पर एक प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर थीम/विषय **"ब्लड कनेक्ट्स अस ऑल"** को महत्व देते हुए मेट्रो ब्लड बैंक परियोजना को हरी झंडी दिखाई गई। थैलेसेमिक बच्चों द्वारा / थैलेसेमिया ग्रसित बच्चों द्वारा प्रशंसा–पत्र दिए गए थे, जिसमें उन्होंने अपनी मदद करने वाले दाताओं का आभार व्यक्त किया। स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए जज़्बा थियेटर द्वारा एक प्रहसन / नाटक का प्रदर्शन भी किया गया था। ये राष्ट्रीय थैलेसेमिया कल्याण सोसायटी, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई थी। इस अवसर पर 15 ब्लड बैंकों, 3 स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजकों तथा 2 राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों को 100 प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान की दिशा में काम करने के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार भी दिया गया था।

डॉ० (प्रो०) जगदीश प्रसाद (डी.जी.एच.एस.) ने अपने भाषण में कहा कि डब्ल्यू.बी.डी.डी. का उद्देश्य 14 जून को नए रक्तदाताओं के एक बड़े प्रवाह को आकर्षित करना नहीं है, बल्कि स्वैच्छिक, अवैतनिक रक्तदान के महत्व पर व्यापक जागरूकता पैदा करना है एवं अधिक से अधिक लोगों को नियमित रक्त दाता बनने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिनमें उन स्वस्थ दाताओं को भी शामिल किया जाए, जिन्होंने परिवार के किसी सदस्य या मित्र द्वारा इसकी आवश्यकता होने पर पहले भी रक्त दिया है। अंत में **डॉ० शोबिनीराजन, ए.डी.जी.(बी.टी.एस.), नाको** द्वारा सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं पुरस्कार विजेताओं को धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया। उन्होंने समारोह का आयोजन करने में सहायता एवं सहयोग देने के लिए **डॉ० आर.एन. मकरू एवं डॉ० किरण चौधरी** को भी धन्यवाद दिया।

बी.टी.एस. प्रभाग

मेघालय

मेघालय एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा प्रायोजित रजत जयंती समारोह, दौड ++

रजत जयंती समारोह, दौड़++ के एक भाग के रूप में, संत एंथोनी महाविद्यालय, शिलांग के कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा 18 जून, 2016, को एड्स जागरूकता के लिए एक दौड़ का आयोजन किया गया था।

रजत जयंती समारोह के संयोजक, **प्रोफेसर एइउषा वी. ह्यूजॉन** की उपस्थिति में दौड़ हुई। दौड़ मेघालय एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा प्रायोजित की गई थी। सभी प्रतिभागियों ने लाल रिबन पहन रखा था एवं एड्स जागरूकता पर पैम्फलेट / पर्चे भी वितरित किए गए थे। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने दौड़ में भाग लिया। महाविद्यालय के उप–प्राचार्य **फादर साजी स्टीफन** एस.डी.बी., ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और दौड़ से पहले एच.आई.वी. एवं एड्स के बारे में सूचित किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य, बीर **डॉ० अल्बर्ट लाँगले धक्कर** एस.डी.बी. ने दौड़ को हरी झंडी दिखाई एवं पुरस्कार वितरित किए। लड़के एवं लड़कियों के वर्ग में प्रथम तीन विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए थे। प्रत्येक वर्ग में चौथे से आठवें स्थान पर आने वाले लोगों को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया था। एड्स नियंत्रण सोसाइटी का स्मृति चिन्ह भी सौंपा गया था।

रजत जयंती समारोह के दौरान दौड++ का आयोजन

लड़कियों में प्रथम तीन विजेता थे
लीना वंगबियाकलन - बी.ए. तृतीय वर्ष दर्शनशास्त्र,
मग्दलीन के ज़ीमोनी - बी.एस.सी. गणित तृतीय वर्ष
बाड़ा करबाह - चतुर्थ सेमेस्टर, एम.सी.ए.
लड़कों में प्रथम तीन विजेता थे
राकेश जोमयांग - बी.ए. इतिहास, तृतीय वर्ष
भाबोक्लांग मरवेन - बी.एस.सी. भूगर्भशास्त्र, तृतीय वर्ष
हेनरी खोंगवार - तृतीय वर्ष

मेघालय, एस.ए.सी.एस.

मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी ने राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 6वें वार्षिक मि० आयरनमैन, 2016 प्रतियोगिता में सहयोग दिया।

मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी ने बॉडी बिल्डिंग एवं फिटनेस एसोसिएशन, शिलांग के साथ मिलकर 18 जून, 2016 को सो सो थाम सभामण्डप में **मि० आयरनमैन**, 2016 प्रतियोगिता का आयोजन किया।

कार्यक्रम के दौरान, लोगों को एच.आई.वी.–एड्स, उसके प्रसार के तरीके और इसकी रोकथाम के बारे में सूचित किया गया था। इस अवसर पर जागरूकता HIV/AIDS पर्चों के वितरण एवं लाल रिबन लगाने के अलावा स्वैच्छिक रक्तदान पर विशेष महत्व दिया गया था। सर्वोच्च तीन विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया था, चौथे एवं पाँचवे स्थान पर आए विजेताओं को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया था ।

पंजाब

आयुष मेले के दौरान एच.आई.वी./एड्स जागरूकता पर एक प्रदर्शनी को दिखाया गया

आयुर्वेद विभाग, पंजाब द्वारा 21 अप्रैल से 25 अप्रैल, 2016 तक संगरूर में आयोजित **"आयुष मेले"** में एच.आई.वी./एड्स जानकारी पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। **पंजाब के माननीय स्वास्थ्य मंत्री, श्री सुरित कुमार जायनी** ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कुल दर्शकों में से 159 दर्शकों को परामर्श दिया गया एवं 108 दर्शकों ने एच.आई.वी. के लिए जाँच करवाई जिसमें शून्य नकारात्मक परिणाम था। इस आयोजन के दौरान चलंत रक्तदान बस द्वारा 25 यूनिट रक्त एकत्र किए गए थे। दर्शकों को 15000 एच.आई.वी./एड्स फोल्डर बाँटे गए थे।

आयुष मेले में एच.आई.वी./एड्स जागरूकता पर प्रदर्शनी के दौरान एक–दूसरे से बात करते लोग

पंजाब, एस.ए.सी.एस.

असम

नशीले पदार्थों के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस

26 जून, 2016 को असम राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (ए.एस.ए.सी.एस.) द्वारा समाज कल्याण विभाग असम सरकार एवं नारकोटिक्स विभाग, असम के साथ मिलकर नशीलेपदार्थों के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया। दिन भर चले कार्यक्रम को एन.ई.डी.एफ.आई. हाउस गुवाहाटी में आयोजित किया गया था। बैठक का उद्घाटन समाज कल्याण विभाग, असम सरकार के अतिरिक्त/अपर मुख्य सचिव, हिमन्ता नार्जरी, आई.ए.एस., द्वारा किया गया था।

अपने उद्घाटन भाषण में, नार्जरी ने कहा कि "युवाओं के बीच नशीले पदार्थों का दुरूपयोग समाज के बुनियादी हिस्से को प्रभावित कर रहा है और इस बुराई के खिलाफ लड़ना हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है। रिपोर्टों के अनुसार राज्य में प्रत्येक वर्ष नशीले पदार्थों के सेवन के आदी लोगों की संख्या में बढ़ती हुई प्रवृति को देखा जा रहा है। इसलिए, विद्यार्थियों के बीच उचित जागरूकता उत्पन्न करनी होगी।" इसके उपरांत उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भाषण दिया गया।

रक्तदान सेवाएँ, (ए.एस.ए.सी.एस.) के उप निदेशक, डॉ० पी. के. बारूआ ने अपनी प्रस्तुति में राज्य में एच.आई.वी./एड्स की स्थिति पर एक संपूर्ण दृष्टिकोण रखा एवं श्रोताओं को इस विषय पर प्रकाशित किया कि युवाओं के बीच किस प्रकार नशीले पदार्थों की सुईयों से एच.आई.वी. खतरे का प्रसार हो सकता है। इस दिवस के महत्व पर जोर देते हुए, बरूआ ने कहा कि, "हमें उन लोगों को जागृत करने की

रंगमंच पर प्रदर्शन करते हुए कलाकार

जरूरत है जो मादक द्रव्यों के सेवन के कारण गहरी नींद में हैं एवं उन्हें वह रास्ता दिखाया जाए जिसके माध्यम से बिना नशीले पदार्थों के कोई भी सामान्य जीवन जी सकता है"। उन्होंने यह भी बताया कि यदि पूरी तरह से संयम संभव नहीं है तो यह ज़रूरी है कि सुईयों का त्याग कर मुँह से लेने वाली नशीली दवाओं का सेवन किया जाए, एवं इसके लिए राज्य के विभिन्न अस्पतालों में ओ.एस.टी. (ओपियोड प्रतिस्थापन चिकित्सा) केन्द्र भी हैं। दिन भर चले कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे बच्चों द्वारा नृत्य एवं नशीली दवाओं के सेवन पर लोक संगीत कार्यक्रम (शो) की प्रस्तुति की गई। नशीले पदार्थों के सेवन के कुछ पीड़ितों ने नशीले पदार्थों के सेवन के उपरांत हुए दिल को छू लेने वाले अनुभवों के बारे में भी बताया।

असम, एस.ए.सी.एस.

पंजाब

नशीले पदार्थों के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस का आयोजन

सामाजिक सुरक्षा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से, नशीले पदार्थों के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर 26 जून, 2016 को पुनर्वास केन्द्र, मजीठा रोड, अमृतसर में एक राज्य– स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया था। **समारोह का उद्घाटन पंजाब के माननीय स्वास्थ्य मंत्री, श्री सुरित कुमार जायनी के द्वारा किया गया था। वहां विशेष सचिव, स्वास्थ्य श्री विकास गर्ग, निदेशक श्री गुरलवलीन सिंह, सामाजिक सुरक्षा, ए.डी.सी. श्री तेजिन्दर पाल, अमृतसर, डॉ० मनप्रीत छटवाल, अतिरिक्त परियोजना निदेशक, पी.एस.ए.सी.एस. एवं सिविल सर्जन, अमृतसर भी उपस्थित थे।** इस अवसर पर, समारोह स्थल के विभिन्न स्थानों पर आई.ई.सी. सामग्रियों की प्रदर्शनी लगाई गई थी, आई.डी.यू. पर करीब 1000 फोल्डरों का वितरण किया गया था एवं अग्रणी समाचार पत्रों में विज्ञापन भी प्रकाशित कराए गए थे। 24 जून से 26 जून, 2016 तक तीन दिवसीय एस.एम.एस. अभियान का भी शुभारंभ किया गया था, जिसमें प्रशासनिक सुधार विभाग के माध्यम से ग्राहकों के लिए 2,17,40,000 मुफ्त एस.एम.एस. भेजे गए थे।

पंजाब, एस.ए.सी.एस.

हरियाणा

नशीले पदार्थों के सेवन और अवैध तस्करी दिवस, पखवाड़ा 26 जून–10 जुलाई, 2016

नशीलेपदार्थोंके सेवन पर गुड़गाँव में रैली

नशीले पदार्थों के सेवन और अवैध तस्करी पखवाड़ा का आयोजन 26 जून, 2016 से 10 जुलाई, 2016 तक पूरे हरियाणा में किया गया था। पखवाड़ा के दौरान कई गतिविधियाँ संचालित की गई थीं : प्रतिदिन निबंधन काउंटर पर एच.आई.वी./एड्स पर पॉकेट आई.ई.सी. पाठ्य, राष्ट्रीय निःशुल्क हेल्पलाईन संख्या 1097 का प्रचार, महिला रोगियों पर केन्द्रित एस.टी.आई. पर जागरूकता, नशीले पदार्थों के सेवन पर एक माह का रेडियो अभियानः आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) के 5 स्टेशनों अर्थात् चंडीगढ़, रोहतक, कुरूक्षेत्र, हिसार एवं एफ.एम. दिल्ली से नशीले पदार्थों के सेवन पर 2 रेडियो जिंगल्स का 10 जून से 9 जुलाई तक प्रसारण एवं भट्ठों पर, निर्माण स्थलों पर, ट्रक संघों, प्रवासी क्षेत्रों इत्यादि में एच.आई.वी./एड्स पर जागरूकता। दो सप्ताह तक चले आयोजन को जिला नोडल पदाधिकारियों द्वारा नशीले पदार्थों के सेवन पर सत्र से चिन्हित किया गया था। तदुपरांत विशेष फिल्म **"टीच एड्स"** दिखाई गई थी। 26 जून, 2016 को 19 जिला प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान एवं सरकारी प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में निबंध लेखन प्रतियोगिता का संचालन/आयोजन किया गया था। हरियाणा के सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में एच.आई.वी./एड्स एवं नशीले पदार्थों के सेवन पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। सामान्य अस्पताल, रेवाड़ी के मेजों पर एड्स जागरूकता संदेश लिखे गए थे एवं भोंडसी जेल, गुड़गाँव में जानकारी सत्र का आयोजन किया गया था।

विश्व रक्तदाता दिवस पखवाड़ा 14 जून–28 जून, 2016

विश्व रक्तदाता दिवस पर सेमिनार

14 जून, 2016 को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया था और इस दिवस पर पूरे राज्य में पोस्टर रैली, बैनरों का प्रदर्शन, रक्तदाताओं/प्रेरकों/आयोजकों को सम्मानित करने, सेमिनारों, कार्यशालाओं इत्यादि गतिविधियों का आयोजन किया गया। जून, 2016 में कुल 94 शिविरों का आयोजन कर 6189 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया तथा अभियान के दौरान 21 रक्तदान शिविरों का आयोजन कर 1914 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया था।

हरियाणा, एस.ए.सी.एस.

महाविद्यालय के एन.एस.एस. इकाईयों द्वारा रक्तदान शिविर

पश्चिम बंगाल

रक्तदान से पहले एन.आर.एस. अस्पताल के चिकित्सक रक्तदाब/ब्लड प्रेशर की जाँच करते हुए

मुरलीधर बालिका महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाईयों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। साल के इस समय में ब्लड बैंक प्रायः संकट का सामना करते हैं, इसलिए महाविद्यालय के प्राचार्य ने यूनिट एक और दो के कार्यक्रम पदाधिकारियों एवं एन.एस.एस. समिति के सदस्यों के साथ साल के इस समय में शिविर लगाने का फैसला किया था। शिविर का आयोजन नीलरतन सिरकार चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, कोलकाता (एन.आर.एस.) के सहयोग से किया गया था। शासी निकाय, के अध्यक्ष, **श्री सोभनदेव चटोपाध्याय,** एवं मुरलीधर बालिका महाविद्यालय–सह–विद्युत एवं गैर–परम्परागत ऊर्जा स्रोतों के प्रभारी मंत्री ने महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। 22 मई, 2016 को पश्चिम बंगाल महाविद्यालय परिसर की एन.एस.एस. इकाईयों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। प्राचार्या **डॉ० किंजलकिनी विश्वास,** अपने शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ उपस्थित थीं। कोलकाता एकात्मा (एन.जी.ओ.) की अध्यक्षा प्रो० बेला बोस, एवं कोलकाता विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. विशेषज्ञ भी शिविर में उपस्थित थीं। **श्रीमती पियाली दास,** सहायक निदेशक (युवा मामले) डब्ल्यू.बी.एस.ए.पी. व सी.एस. भी शिविर में उपस्थित थीं और उन्होंने रक्तदान भी किया।

पश्चिम बंगाल, एस.ए.सी.एस.

विष्व रक्तदाता दिवस–14 जून, 2016

पुड्डुचेरी एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर स्वैच्छिक रक्तदान पर जागरूकता बढ़ाने के लिए तथा नियमित रक्तदाताओं को धन्यवाद देने के लिए **"ब्लड क्नेक्टस अस ऑल"** विषय/थीम के साथ विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सेमिनार का आयोजन किया गया था। विभिन्न सरकारी विभागों, सामाजिक संगठनों, एन.जी.ओ, लायंस क्लब, रोटरी क्लब, महिला स्वयं सहायता समूहों, इत्यादि के प्रतिनिधियों के लिए 10 जून, 2016 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पुड्डुचेरी के सभा कक्ष, में स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर जोर देते हुए एक समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें 86 व्यक्तियों ने भाग लिया था। डॉ० के.वी. रमन, स्वास्थ्य निदेशक, ने सेमिनार कार्यक्रम का उद्घाटन किया। "स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व" पर महिलाओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए 12 जून, 2016 को बीच (तट) रोड, पुड्डुचेरी में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

परियोजना निदेशक, **डॉ० एस. जयंती** के नेतृत्व में पुड्डुचेरी एड्स नियंत्रण सोसायटी के 40 स्टाफ सदस्यों को शामिल करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वैच्छिक रक्तदान पर जागरूकता पैदा करने के लिए 13 जून, 2016 को मोटर बाईक एड्स जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। **माननीय स्वास्थ्य मंत्री थीरू मलाडी कृश्ण राव, द्वारा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर डॉ० के.वी.रमन, स्वास्थ्य निदेशक, डॉ० कालीमुथु, मिशन निदेशक एवं डॉ० आलीरानी, उप निदेशक (परिवार कल्याण)** भी उपस्थित थे। रैली के दौरान पुड्डुचेरी के 70 कि०मी० तक के सभी गाँवों को आच्छादित किया गया था, जिसने पुड्डुचेरी प्रदेश/क्षेत्र के प्रमुख ग्रामीण क्षेत्रों को विस्तृत किया एवं आम जनता के बीच जागरूकता पैदा की। जागरूकता संबंधी हैंडबिलस्/पर्चे जुड़ाव वाले जगहों पर वितरित किए गए। रैली से पहले स्वैच्छिक रक्तदान पर ऑटो माइक जागरूकता की गई।

पुड्डुचेरी के महामहिम उप–राज्यपाल द्वारा डॉ० एस. जयंती, परियोजना निदेशक, को उनकी साल में तीन बार रक्तदान सेवा की प्रशंसा करने हेतु सम्मानित किया गया।

पुड्डुचेरी, एस.ए.सी.एस

विष्व रक्तदाता दिवस–मेघालय

डॉ० डी. लिंगदोह, परियोजना निदेशक, मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी, शिलांग, अभिवादन भाषण देते हुए।

विष्व रक्तदाता दिवस 2016 के उत्सव को चिन्हित करने/मनाने के लिए, रक्ताधान परिषद, राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी एवं अनुज्ञप्तिधारी / लाइसेंसधारी ब्लड बैंकों द्वारा सामूहिक रूप से नाजरथ अस्पताल, शिलांग के सभाकक्ष में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया था। संसदीय सचिव, मेघालय सरकार एवं एच.आई.वी./एड्स पर मेघालय विधायी मंच की सदस्य **डॉ० सेलेस्टीन लिजंड मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं एवं मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पूर्वी वायुसेना कमांड डॉ० सुधीर राय,** सम्मानित अतिथि थे। अन्य लोगों में **श्री के. डब्ल्यू. मार्बनिंग, आई.ए.एस., सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मेघालय सरकार, डॉ० डी. लिंगदोह, परियोजना निदेशक, मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी, शिलांग, मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी** के भूतपूर्व परियोजना निदेशक एवं महाविद्यालय के विद्यार्थीगण समारोह में उपस्थित थे।

हर समझदार मर्द की एक अच्छी आदत

NACO
National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

कंडोम एक, सुरक्षा तीन

- एचआईवी/एड्स
- यौन संक्रमण
- अनचाहा गर्भ

मुख्य संपादकः मि० एन० एस० कांग, अपर सचिव एवं महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादकः डॉ० सी.वी. धर्म राव, संयुक्त सचिव,

संपादक मंडलः डॉ० नीरज ढींगरा, डी.डी.जी. (टी.आई. एवं एम. एंड ई.), डॉ० नरेश गोयल, डी.डी.जी. (एल.एस. एवं आई.ई.सी.), डॉ० आर.एस.गुप्ता, डी.डी.जी.(सी.एस.टी. एवं बी.टी.एस.), डॉ० के.एस. सचदेव, डी.डी.जी.(बी.एस.डी., एस.टी.आई. एवं अनुसंधान), डॉ० शोबिनी राजन ए.डी.जी. (एस.टी.आई. एवं रक्त सुरक्षा), डॉ० राजेश राणा, राष्ट्रीय सलाहकार (आई.ई.सी. एवं मुख्यधारा करण), सुश्री नेहा पाण्डेय (सलाहकार, आई.ई.सी. एवं मुख्यधारा करण)

नाको समाचार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक न्यूज लैटर है।

9वाँ तल, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ, नई दिल्ली–110001: दूरभाषः 011–23325343, फैक्सः 011–23731746,www.naco.gov.in

एडिटिंग डिजाइन एवं प्रोडक्शनः दि विजुयल हाउस, ईमेलः tvh@thevishalhouse.in